बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

हिन्दी (100 अंक) Hindi (100 Marks)

Set - 2

सेट-2

हिन्दी -XII

समय- 3 घंटे 15 मिनट पूर्णांक-100

परीक्षार्थी के लिये निर्देश :

१. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

२. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

३. परीक्षार्थी प्रत्येक उत्तर के साथ प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

1. संक्षिप्त पत्र लिखे । 6

अपने प्रधानाचार्य के पास एक आवेदन पत्र लिखें जिसमें जिम सामग्री उपलब्ध कराने की प्रार्थना की गयी हो।

अथवा

बाढ़ की समस्या से निजात के लिए मुख्यमंत्री के नाम एक पत्र लिखें ।

2. संक्षेपण करें : 4

राष्ट्रभाषा एक चीज है और राजभाषा दूसरी चीज। यह आवश्यक नहीं कि राजभाषा ही राष्ट्रभाषा हो सकती है, पर सदा ऐसा होता नहीं। कभी-कभी राजभाषा राष्ट्रभाषा नहीं बन पाती है। कभी अंग्रेजी हमारी राजभाषा थी। आज भी पूर्ण रूप से उसका बहिष्कार नहीं हो पाया है, पर यह हमें सीखनी पड़ती थी। आवश्यकतावश हम अंग्रेजी सीखते तो जरूर थे । पर वह हमारे जीवन की भाषा न बन सकी। हमारे मस्तिष्क और हमारे हृदय में न उतर सकी। राष्ट्रभाषा सिर्फ कचहरी और स्कूलों की भाषा ही नहों, यह खेत और खलिहान की भी भाषा है।

3. I) सही जोड़े का मिलान कीजिए:- 5x1=5

(क) कवित्त	(i) अज्ञेय
(ख) सिपाही की माँ	(ii) भूषण
(ग) गाँव का घर	(iii) शमशेर बहादुर सिंह
(घ) उषा	(iv) ज्ञानेन्द्र पति
(ड़) रोज	(v) मोहन राकेश

II) निम्नलिखित बहुवैकल्पिक उत्तरो में से सही उत्तर चुने- 5x1=5

1. 'छप्पय' किसको रचना है:-

(क) भूषण (ख) सूरदास

(ग) नाभादास (घ) रघुवीर सहाय

2. 'क्लर्क की मौत' के लेखक का नाम बताइये:-

(क) अंतोन चेखव (ख) हेनरी लोपेज

(ग) तोलस्तोय (घ) गाई द मोपासां

3. 'प्रगीत और समाज' के रचनाकार कौन हैं:-

(क) नामवर सिंह (ख) मलयज

(ग) ओम प्रकाश वाल्मीकि (घ) शमशेर बहादुर सिंह

4. 'प्यारे नन्हे बेटे को' कविता के कवि का नाम बताइऐ:-

(क) ज्ञानेन्द्रपति (ख) मोहन राकेश

(ग) विनोद कुमार शुक्ल (घ) सुभद्रा कुमार चौहान

5. 'एक लेख और एक पत्र' पाठ क लेखक कौन हैं:-

(क) मोहन राकेश (ख) ज्ञानेन्द्रपति

(ग) भगत सिंह (घ) नामवर सिंह

III) रिक्त स्थानों की पूर्ति करे : 5x1=5

(क) पूर्णिमा थी आकाश ..... था । (नभ्र/अनभ्र)

(ख) थे तो आप होगे..... मील पैदल चलकर आए है (अठारह/सोलह)

(ग) किंतु कवि की कल्पना ..... है। (झूठी/सच्ची)

(घ) कुछ ऐसे मित्र है जिनके भाव ..... है। (अच्छे / बुरे)

(ड़) वजीरा सिंह पलटन का ..... था। विदूषक/नायक)

4. किसी एक विषय पर निबंध लिखं :- 1X10=10

(क) मेरी माँ ।

(ख) स्वास्थ्य ही धन है।

(ग) चुनाव और आज की राजनीति ।

(घ) अनुशासन का महत्त्व ।

(ड़) भारतीय किसान ।

5. सप्रसंग व्याख्या करें : 2X4=8

(क) मैंने देखा, पवन में चीड़ के वृक्ष ..... गर्मी से सूखकर मटमैले हुए चीड़ के वृक्ष धीरे-धीरे गा रहे हैं, कोई राग जो कोमल है, किन्तु करूण नहीं। अशांतिमय है, किन्तु उद्वेगमय नहीं .....

अथवा

आदमी यथार्थ को जीता ही नहीं,
यथार्थ को रचता भी है ।

(ख) जादू टूटता है इस उषा का अब,
सूर्योदय हो रहा है।

अथवा

''धनि सो पुरुष जस कीरति जासू । फूल मरै पै मरै न बासू''

6. 'नाभादास' या 'सूरदास' का काव्यात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

आदिकाल की पाँच विशेषताओं का उल्लेख करें ।

7. निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6x2=12

(क) गैंग्रीन क्या है ?

(ख) भ्रष्टाचार की जड़ क्या है ?

(ग) कबीर ने भक्ति को कितना महत्व दिया?

(घ) तुलसीदास को किस वस्तु की भूख है ?

(ड़) विशनी मानक को लड़ाई में क्यों भेजती है ?

(च) वजीरा सिंह कौन है?

8. निम्नलिखित दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर दे - 2x10=20

(क) 'अधिनायक' कविता का सारांश लिखे

(ख) बातचीत के संबंध में वन जॉनसन और एडीसन के विचारों को व्यक्त करें ।

9. (क) काल किसे कहते है ? इसके भेदों को उदाहरण सहित लिखे । 1x5=5

(ख) किन्हीं पाँच का संधि-विच्छेद करे । 1x5=5

सर्वोदय, नरेश, सज्जन, विद्यालय, यशोदा, नमस्ते

(ग) किन्हीं पाँच का लिंग निर्णय करते हुए वाक्य प्रयोग करें । 1 x5=5

दिशा, यज्ञ, पीतल, पेड़, जेब, मूँछ

(घ) किन्हीं पाँच का विलोम शब्द लिखं । 1 x5=5

दीर्घायु, गुप्त, घातक, गुण, क्रोध, महँगा ।

उत्तर

1. सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय

म०रा०ना०पु०उच्च विद्यालनय

सकसोहरा, पटना

विषय : खेल सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में ।

महाशय,

निवेदनपूर्वक कहना यह है कि इस विद्यालय में करीब एक हजार विद्यार्थी है। इस विद्यालय में एक बड़ा खेल का मैदान भी है। लेकिन खेल-उपकरण एवं खेल-सामग्री उपलब्ध नहीं है।

अत: श्रीमान् से निवेदन है कि क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, लूडो आदि आम खेलकूद के सामान शीघ्र उपलब्ध करा दिए जाएँ। उत्तम स्वास्थ्य के लिए खेल अनिवार्य है। उत्तम पढ़ाई के लिए भी खेल अनिवार्य है। राष्ट्र के लिए तेजस्वी खिलाड़ी पैदा हो, इसलिए हम सब के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद करना भी अनिवार्य है। आशा करता हूँ कि हम छात्रों के निवेदन को मानने की कृपा करेंगे।

19.12.2016

भवदीय

छात्र एवं छात्रागण

अथवा

माननीय मुख्यमंत्री

बिहार सरकार

आपसे नम्र निवेदन है कि पटना जिले में मुहाने नदी के किनारे कड़रा गाँव में मेरा घर है। यह गाँव नदी के किनारे है। आशंका है कि यह गाँव संभावित बाढ़ में जलमग्न हो सकता है। आपसे अनुरोध है कि इस स्थान पर 3 किलोमीटर क्षेत्र में एक बाँध बनाने का आदेश प्रदान करें ताकि आसपास के गाँव भी बाढ़ से सुरक्षित हो जाएँगे ।

अत: आपसे सादर निवेदन है कि बाँध बनवाने की संस्तुति प्रदान कर हम क्षेत्रवासियों को बाढ़ की समस्या से निजात दिलाएँ।

भवदीय

कड़रा निवासी, पटना

2. शीर्षक- राष्ट्रभाषा बनाम राजभाषा

राष्ट्रभाषा और राजभाषा में बड़ा अन्तर है। एक का संबंध जन-चेतना से जुड़ा है और दूसरे का कार्यालयों के कामकाज से । इसीलिए अंग्रेजी हमारी राष्ट्रभाषा बनने में पूर्णतः असमर्थ रह गयी ।

3. I)

(क) कवित्त - (ii) भूषण

(ख) सिपाही की माँ - (v) मोहन राकेश

(ग) गाँव का घर- (iv) ज्ञानेन्द्र पति

(घ) उषा - (iii) शमशेर बहादुर सिंह

(घ) रोज - (i) अज्ञेय

II)

1. छप्पय - (ग) नाभादास
2. क्लर्क की मौत - (क) अंतोन चेखव
3. प्रगीत और समाज - (क) नामवर सिंह
4. प्यारे नन्हें बेटे को - (ग) विनोद कुमार शुक्ल
5. एक लेख और एक पत्र- (ग) भगत सिंह

III) (क) अनभ्र

(ख) अठारह

(ग) झूठी

(घ) अच्छे

(ड़) विदूषक

4. निबंध- **स्वास्थ्य ही धन है**

(i) अर्थ (ii) स्वास्थ्य ही धन है (iii) स्वास्थ्य की रक्षा

(i) मनुष्य स्वस्थ तब कहलाता है जब उसे कोई शारीरिक दुःख या रोग नहीं रहता। जब मनुष्य की वृद्धि ठीक रहती है और उसे काफी बल एवं साहस रहता है तब वह स्वस्थ कहलाता है।

(ii)स्वास्थ्य जीवन की सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है। यह सबसे बहुमूल्य खजाने से भी अधिक कीमती है। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि स्वास्थ्य के बिना जीवन बोझ हो जाता है। किसी व्यक्ति को काफी धन, रहने के लिए महल के समान घर, सेवा करने के लिए नौकर-चाकर एवं सुंदर-सा भोजन और विलासतापूर्ण जिन्दगी हो सकते है। परन्तु अगर उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं हा तो इन चीजों से उसे शायद ही आनंद मिलेगा। अस्वस्थ व्यक्ति के लिए जीवन में कोई आनंद नहीं है। वह बराबर उदास रहता है। प्रकृति की किसी भी वस्तु में उसके लिए कोई आनंद नहीं रहता। इसलिए यह ठीक ही कहा गया है कि 'स्वास्थ्य ही धन है।'

(iii) स्वास्थ्य जैसे मूल्यवान वस्तु की रक्षा करना मनुष्य का सर्वप्रथम कर्त्तव्य है।

स्वस्थ रहने के लिए लोगों को स्वास्थ्य के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्हें प्रात:काल उठना चाहिए। उन्हें अपने दाँतों को नित्य साफ करना चाहिए और यथासंभव शुद्ध जल में स्नान करना चाहिए। प्रात:काल का टहलना भी बड़ा स्वास्थ्यवद्धक है। अत: नियमित रूप से टहलना चाहिए और अपने वस्त्र, बिछावन आदि को साफ-सुथरा रखना चाहिए। उन्हें अपने घरों को साफ-सुथरा रखना चाहिए। घर को पूर्ण रूप से हवादार होना चाहिए। भोजन के संबंध में अधिक-से-अधिक सावधानी आवश्यक है। लोगों को शुद्ध और साधारण भोजन करना चाहिए । उन्हें ताजा फल और सब्जी अधिक एवं मसाला कम खाना चाहिए। शुद्ध दूध अधिक स्वास्थ्यवद्धक भोजन है और इसका सदा व्यवहार करना चाहिए। प्रतिदिन कुछ शारीरिक व्यायाम भी करना आवश्यक है। दिन-भर के कठिन परिश्रम के बाद लोगों को काफी आराम करना चाहिए। ये ही कुछ नियम है, जो स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में सहायता प्रदान करते हैं और इनका पालन सावधानीपूर्वक करना चाहिए।

--

मेरी माँ

(i) भूमिका (ii) वर्णन (iii) उसका दैनिक जीवन (iv) उपसंहार

(i) माता प्रेम, दया और बलिदान का प्रतीक होती है। वह बराबर अपने बच्चों से बहुत प्रेम करती है। वह बच्चों के लिए भी त्याग कर सकती है। जब मैं अपनी माँ के बारे में सोचता हूँ तो मैं महसूस करता हूँ कि मुझे एक आदर्श माँ है।

(ii) मेरी माँ एक धार्मिक महिला है। उसे बहुत शिक्षा नहीं मिली है। लेकिन, उसे सांसारिक बातों का बहुत बड़ा अनुभव है। वह घर के कामों में बहुत रूचि लेती है। वह हमलोगों से बहुत प्रेम करती है। मुझे एक भाई और एक बहन है। वह हम सबों को एक तरह से प्यार करती है। वह बराबर हमारे आराम का ख्याल करती है। वह अपने आराम की परवाह नहीं करती। यदि घर में कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है तो वह उसकी दिन-रात सेवा करती है। वह भोजन करना भी भूल जाती है और रात भर जगी रहती है।

मेरी माँ एक दयालु और उदार महिला है। वह बराबर गरीब लोगों की सहायता करती है। उसे भिखारियों को भीख देने में आनंद आता है। वह धार्मिक महिला है। वह प्रतिदिन मंदिर जाती है। वह पर्व के दिनों को उपवास करती है।

वह हमारे चरित्र-निर्माण पर बहुत ध्यान देती है। वह चाहती है कि हम भविष्य में आदर्श नागरिक बनें। शाम में वह हमलोगों को शिक्षाप्रद कहानियाँ सुनाती हैं और बताती हैं कि हम अपना भविष्य उज्जवल कैसे बना सकते हैं।

(iii) मेरी माँ को सुबह से रात तक कठिन परिश्रम करना पड़ता है। वह 5 बजे सुबह उठ जाती है। हमलोगों के उठने के पहिले ही वह हमारे लिए नाश्ता और चाय तैयार कर लेती है। तब वह खाना बनाती है। जब वह मंदिर से लौटकर आती है तो दोपहर का भोजन करती है। भोजन करने के बाद वह घर के काम करती है। शाम में वह फिर रसोई-घर में जाती है। हमलोगों को खिलाने के बाद वह मनोरंजक कहानियाँ सुनाती हैं।

(iv) मुझे अपनी माँ पर गर्व है। उसे मुझसे बहुत उम्मीद है। मेरी इच्छा है कि मैं उसका मधुर सपना पूरा कर दूँ ।

5. (क) प्रस्तुत पंक्तियाँ 'रोज' शीर्षक कहानी से ली गई है। इसके कहानीकार अज्ञेय है। इन पंक्तियों में प्राकृतिक सौन्दर्य का बड़ा ही मनोवैज्ञानिक वर्णन हुआ है। कहानीकार ने प्रतीक के आधार पर मालती के भाई की मन:स्थिति की सुन्दर अभिव्यक्ति की है। पूर्णिमा की स्निग्ध शीतल चाँदनी के स्पर्श से मालती की उपस्थिति में अतिथि के भीतर निरुद्विग्न कोमल रागिनी फूट पड़ती है। उसके भीतर रसमय हलचल हिलोरे लेने लगती है। वह शुब्ध नहीं पर शांत अवश्य है।

अथवा

आदमी यथार्थ को जीता रहता है। अनक घटनाएँ उसके सामने से गुजरती रहती है। नहीं चाहने पर भी जीना ही पड़ता है। 'दुनिया में अगर आए हैं तो जीना ही पड़ेगा। जीवन है अगर जहर तो पीना ही पड़ेगा।' जितने भी रचनाकार हैं वे यथार्थ को रचते भी रहते है। यहाँ यथार्थ जीवन के सत्य को दिखलाया गया ह।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि शमशेर बहादुर सिंह रचित कविता उषा से अवतरित है। प्रस्तुत कविता उषा में सूर्योदय के ठीक पहले की पल-पल परिवर्तित होती प्रकृति का शब्द चित्र प्रस्तुत किया गया है। उषा का जादू टूटने से कवि का तात्पर्य उषाकालीन रंगों के प्राकृतिक सौन्दर्य का समाप्त होना है। सूर्योदय होते ही उषा का जादू टूट जाता है।

अथवा

प्रस्तुत पंक्तियाँ जायसी रचित 'कड़बक' शीर्षक कविता से उद्धृत है। इन पंक्तियों में कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि इस पृथ्वी पर वही पुरुष धन्य है, जिसकी कीर्त्ति उसके नहीं रहने पर भी सर्वत्र गूंजती रहती है। ऐसा व्यक्ति मर कर भी नहीं मरता। वह लोगों की स्मृति में सदा जीवित रहता है। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार फूल का अंत हो जाता है किन्तु उसकी सुगंध नहीं मरती।

कवि के कहने का मूल अभिप्राय यह है कि पप्रावत के चित्रित पात्र अब जीवित नहीं, पर लोग आज भी याद करते हैं। कवि को यह पूर्ण विश्वास है कि पात्रों की भाँति लोग मेरे मरने के बाद इसी रचना के माध्यम से मुझे सर्वत्र जीवित रखेगे।

6. **सूरदास-**

सूरदास मध्यकालीन सगुण भक्ति धारा की कृष्णभक्ति शाखा के श्रेष्ठ कवि हैं। इन्होंने अपनी कविताओं में कष्ण और राधा का सांगोपांग वर्णन किया है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कहते हैं कि ''वात्सल्य और श्रृंगार के क्षेत्रों का जितना अधिक उद्घाटन सूर ने अपनी बंद आँखों से किया है, उतना किसी अन्य कवि ने नहीं की। इन क्षेत्रों का कोना-कोना में झाँक आए।

सूर का संयोग एवं वियोग वर्णन, अद्भूत है। इनके भ्रमरगीत में प्रेम की अनन्यता, प्रगाढ़ता और आत्मसमर्पण की जो आकुलता दिखाई पड़ती है, वह अन्यत्र दुर्लभ है।

अथवा

आदिकाल की पाँच विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(i) वीररस की प्रधानता

(ii) आश्रयदाता राजाओं एवं सामंतां की प्रशंसा

(iii) युद्धों का यथार्थ वर्णन

(iv) ऐतिहासिकता का अभाव

(v) जनजीवन से संपर्क का अभाव

7. (क) गैंग्रीन एक प्रकार का रोग है। जिसमें पैर में गहरा घाव हो जाता है तथा वह तेजी से फैलता है।

(ख) भ्रष्टाचार की जड़ रिश्वत, लोभ-लालच है।

(ग) कबोर धर्म के लिए भक्ति को अनिवार्य समझते है।

(घ) तुलसीदास राम की भक्ति के भूखे हैं। तुलसीदास राम के समक्ष समर्पण करने वाले कवि हैं। वे भक्ति की भीख माँगते हैं।

(ड़) माँ बिशनी अपने बेटे को लड़ाई में कुछ पैसे कमाने हेतु भेजती है। ताकि मुन्नी की शादी के लिए कपड़े खरीदे जा सके । लेकिन 'सपने किसी के होत न पूरे, रोज बनाए फिर भी अधूरे।'

(च) वजीरा सिंह पलटन का विदूषक है।

8. (क)

'अधिनायक' शीर्षक कविता के रचयिता रघुवीर सहाय है। वे हिंदी के प्रसिद्ध कवि एवं पत्रकार है। अधिनायक कविता एक व्यंग्य कविता है। इस कविता में आजादी के बाद सत्ताधारी वर्ग के प्रति रोषपूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। इसमें सत्ताधारी वर्ग के प्रति तिक्त कटाक्ष है। आजादी के बीस वर्ष बीत जाने के बाद भी आम आदमी के जीवन में कोई बदलाब नहीं आया है। वह आम आदमी का प्रतिनिधि है जो राष्ट्रोय त्योहार के दिन अपने विद्यालय में झंडा फहराए जाने के जलसे में फटा सुथन्ना पहने राष्ट्रगान दुहराता है। जिसमें इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी न जाने किस

'अधिनायक' का गुणगान किया गया है। कवि का संयत व्यंग्य इस अधिनायक शब्द पर है- जन-गण-मन अधिनायक जय हो, भारत भाग्य विधाता ।

(ख) बातचीत के संबंध में बेन जॉनसन का मत है कि बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है। यह बहुत ही उचित जान पड़तजा है। एडीसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ दो व्यक्तियों में हो सकती है जिसका तात्पर्य यह है कि जब दो आदमी होते है तभो अपना दिल एक दूसरे के सामने खोलते है। जब तीन हुए तब दो बात कोसो दूर गयी। जैसे गरम दूध और ठण्डे पानी के दो बर्त्तन पास-पास सटाकर रखने पर एक असर दूसरे में पहुँच जाता है अर्थात् दूध ठंडा हो जाता है और पानी गरम। वैसे ही दो आदमी आपस में बैठे हो ता एक का गुप्त असर दूसरे पर पहुँच जाता है। चाहे एक दूसरे को देखं भी नहीं तब भी बोलने की कौन कहे एक के शरीर की विद्युत तरगें दूसरे में प्रवेश करने लगती है। जब पास बैठने का इतना असर होता है तब बातचीत में कितना असर होगा। इसे कौन नहीं स्वीकारेगा।

9. (क) **<u>काल</u>**

परिभाषा - क्रिया के जिस रूप से उनके हाने या करने में जो समय लगता है, उसे 'काल' कहते है ।

काल के भेद- इसके तीन भेद है-

(i) वर्त्तमान काल (ii) भूतकाल (iii) भविष्यकाल

(i) वर्त्तमान काल - जिस काल में क्रिया के व्यापार की निरंतरता का पता चले उसे 'वर्त्तमानकाल' कहते है। जैसे- मैं लिखता हूँ।

(ii) भूतकाल - क्रिया का वह रूप जिसमें कार्य की समाप्ति का बोध हो, उसे भूतकाल कहते है। जैसे- वह गया। वह पढ़ चुका था।

(iii) भविष्यकाल- भविष्य में होनेवाले काम को भविष्यकाल की क्रिया कहते है। जैसे-राम कल पटना जाएगा।

ख)

सर्वोदय	–	सर्व + उदय	विद्यालय	–	विद्या + आलय
नरेश	–	नर + ईश	यशोदा	–	यश:+दा
सज्जन	–	सत् + जन	नमस्ते	–	नम: + स्ते

(ग)

यज्ञ (पु0) – श्याम ने अपने नये घर में यज्ञ किया।

दिशा (स्त्री0) – अचानक उत्तर दिशा से रान की आवाज आयी।

पीतल (स्त्री0) – पीतल की बाल्टी कहाँ रखी है ।

पेड़ (पु0) – यह अमरूद का पेड़ है।

जेब (स्त्री0) – उसकी जेब फट गई।

मूँछ (स्त्री0) – श्याम की मूँछ कट गई।

(घ)

दीर्घायु	–	अल्पायु
गुप्त	–	प्रकट
घातक	–	रक्षक
गुण	–	अवगुण
क्रोध	–	अक्रोध
महँगा	–	सस्ता

*****